उद्घाटन के 10 माह बाद भी आईएसबीटी वीरान , बस ऑपरेटरों ने किया किनारा

करोड़ों खर्च होने के बाद भी शो-पीस बना आईएसबीटी

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर 03मई । स्मार्ट सिटी की तर्ज पर ग्वालियर के विकास को नई उड़ान देने के लिए बनाया गया इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) आज प्रशासनिक लापरवाही और अदूरदर्शिता की जीती-जागती मिसाल बन चुका है। जनता को एयरपोर्ट जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं वाले बस स्टैंड का सपना दिखाया गया था, लेकिन करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद आज यह विशाल परिसर सिर्फ एक 'शो-पीस' बनकर रह गया है। आलम यह है कि शहरवासी आज भी पुराने और अव्यवस्थित बस स्टैंड्स की धूल फांकने को मजबूर हैं।

77 करोड़ की लागत और सीएम ने किया था उद्घाटन : पुरानी छावनी क्षेत्र में स्थित इस अत्याधुनिक बस टर्मिनल को लगभग 77 करोड़ रुपए की भारी-भरकम लागत से बनाकर तैयार किया गया है। इसका भव्य उद्घाटन 5 जुलाई 2025 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में किया गया था। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद थे। उद्घाटन के समय बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि यहाँ से कई राज्यों के लिए बसें मिलेंगी और यह शहर के यातायात की तस्वीर बदल देगा।

उद्घाटन को बीते 10 माह, लेकिन नहीं पकड़ी रफ्तार: आज 3 मई इस बस स्टैंड को उद्घाटन किए हुए पूरे 302 दिन लगभग 10 महीने बीत चुके हैं। बीच में 10 नवंबर 2025 को प्रशासन ने भिंड-मुरैना रूट की बसों को यहाँ से शुरू करने का फरमान भी जारी किया था। लेकिन सख्ती के बावजूद पहले दिन महज कुछ बसें ही 5-10 मिनट के लिए यहाँ रुकीं और फिर यह टर्मिनल उसी वीराने में तब्दील हो गया।

आखिर क्यों चालू नहीं हो पा रहा करोड़ों का बस स्टैंड? : प्रशासनिक अमले ने लगभग 77 करोड़ रुपए खर्च कर इमारत तो तान दी, लेकिन ग्राउंड जीरो की हकीकत को नजरअंदाज कर दिया। इसके चालू न होने के पीछे कई प्रमुख कारण सामने आ रहे हैं पुरानी छावनी स्थित आईएसबीटी शहर के मुख्य इलाकों से काफी दूर है। यहां तक पहुंचने के लिए यात्रियों के पास सिटी बस, ऑटो या अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट के सुलभ साधन नहीं हैं। निजी बस यूनियन और ऑपरेटर शुरुआत से ही इस बस स्टैंड पर जाने से कतरा रहे हैं। उनका तर्क है कि यहाँ बसें ले जाने से न सिर्फ दूरी बढ़ती है, बल्कि सवारियां भी नहीं मिलतीं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। जानकारों का कहना है कि प्रशासन ने बस स्टैंड बनाने से पहले ट्रांसपोर्टर्स और बस यूनियनों के साथ कोई ठोस चर्चा नहीं की। यह थोपा गया निर्णय लग रहा है, जिसे यूनियनें स्वीकार नहीं कर रही हैं। एक तरफ लगभग 77 करोड़ की लागत से बना बस स्टैंड धूल फांक रहा है, वहीं दूसरी तरफ लोग झांसी रोड और रेलवे स्टेशन के पास स्थित पुराने और संकरे बस स्टैंड्स पर जाम व अव्यवस्था से जूझ रहे हैं।

ग्वालियर के लोगों की प्रतिक्रिया : यह सीधे तौर पर जनता के 77 करोड़ रुपयों की बर्बादी है। बिना किसी मास्टर प्लान और कनेक्टिविटी के केवल सुर्खियां बटोरने के लिए उद्घाटन कर दिया गया। स्मार्ट सिटी का मतलब सिर्फ बड़ी इमारतें खड़ा करना नहीं, बल्कि जनता को सुविधा देना होता है।

- अमिताभ पांडे , प्रदेश संयुक्त सचिव , आप

प्रशासन ने बस स्टैंड तो बना दिया, लेकिन हम छात्राओं की सुरक्षा और पहुंच का क्या? शाम के समय पुरानी छावनी जैसे दूरदराज इलाके में जाना किसी चुनौती से कम नहीं है। वहां जाने के लिए कोई नियमित सिटी बस सेवा नहीं है।

- सविता पाठक , छात्रा

झांसी रोड और पुराने बस स्टैंड पर जाम में फंसकर बुरा हाल होता है, हमें लगा था कि आईएसबीटी बनने से राहत मिलेगी। लेकिन आज 10 महीने बाद भी स्थिति जस की तस है। प्रशासन और बस ऑपरेटरों की इस लड़ाई में पिस तो आम आदमी ही रहा है।

- हरिओम कुशवाह , फार्मासिस्ट

नोन नदी किनारे अवैध कच्ची शराब बनाते तस्कर गिरफ्तार

80 हजार का लहान नष्ट, चीनौर पुलिस की कार्रवाई

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 03मई । थाना चीनौर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नोन नदी के किनारे अवैध रूप से कच्ची शराब बनाते हुए एक तस्कर को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मौके से 50 लीटर अवैध कच्ची शराब और शराब बनाने के उपकरण जब्त किए गए हैं। एसएसपी धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध शराब माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर और एसडीओपी भितरवार जितेंद्र नगाइच के मार्गदर्शन में पुलिस टीम को सूचना मिली थी। थाना प्रभारी चीनौर शैलेंद्र सिंह गुर्जर को मुखबिर से सूचना मिली कि नोन नदी के किनारे रिझौरा गांव के पास एक व्यक्ति हाथ भट्टी से कच्ची शराब बना रहा है। ?सूचना की तस्दीक के लिए थाना चीनौर की टीम ने ग्राम रिझौरा के पास नोन नदी के किनारे पेड़ों और झाड़ियों की आड़ में दबिश दी। वहां एक व्यक्ति प्लास्टिक की कैन में शराब भरता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने उसे तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान धर्मेंद्र (40), पुत्र राम सिंह कुशवाह, निवासी कुशवाह मोहल्ला चीनौर के रूप में बताई।

वाहन ने मारी टक्कर, अधेड़ घायल

ग्वालियर। छप्परवाला पुल स्थित गर्ग इंजीनियरिंग के सामने बीते रोज अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ घायल हो गया। अस्पताल में इलाज कराने के बाद बीते रोज इंदरगंज थाने पहुंचा और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है।

एमिटी में 'हैकाथॉन ज़िंक' का आयोजन

छात्रों ने दिखाया नवाचार

नवभारत न्यूज

ग्वालियर03 मई। एमिटी विश्वविद्यालय में इंडस्ट्री आधारित 'हैकाथॉन ज़िंक' का आयोजन किया गया। यह आयोजन कोडिंग क्लब, इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल एवं इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान हेतु प्रेरित करना, उनकी

रचनात्मक सोच को विकसित करना तथा सामूहिक कार्यशैली और तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ बनाना रहा। कार्यक्रम के आयोजन पर प्रो-चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल वी.के. शर्मा, एवीएसएम एवं कुलगुरु प्रो.(डॉ.) आर.एस. तोमर ने संयोजकों एवं आयोजनकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही डॉ. विकास थाडा भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते रहे। आयोजन में छात्र समन्वयक उत्कर्ष सिंह ठाकुर एवं जयदीप कम्ठान की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जबकि समन्वयक के रूप में डॉ. झंकार मूलचंदानी एवं डॉ. घनश्याम प्रसाद दुबे ने पूरे कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन किया।

'हैकाथॉन ज़िंक' विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक मंच सिद्ध हुआ, जहाँ उन्होंने 'सोच, निर्माण एवं नवाचार' की भावना के साथ अपने विचारों को मूर्तरूप देकर भविष्य के लिए नए समाधान प्रस्तुत किए।